सही बातें
मदद

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक
समर्पण समूह
जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
मदद

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
मदद

कृतज्ञता की उम्मीद
हर किसी से मत करना,
जैसे
पत्थरों में हीरा
किसी-किसी पत्थर में ही है,
वैसे ही
हज़ारों लोगों में
कृतज्ञ भी
कोई एक-दो ही हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अनुकूल वातावरण
न होने पर भी
अपने भावों को
अनुकूल रखिये,
क्योंकि
भाव अनुकूल
न होने पर
भाषा प्रतिकूल हो जाती है
और
भाषा के प्रतिकूल होने पर
वातावरण अनुकूल नहीं बचता...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

कितना ही
खड़ूस आदमी हो
अगर आप उससे
हाथ जोड़कर बात करेंगे
तो वह भी हाथ जोड़ लेगा
और
कितना ही
अच्छा आदमी हो
अगर आप
हाथ छोड़कर बात करेंगे
तो वह भी हाथ छोड़ देगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जब आप खुश होते हैं
तब आपको
लोग मुस्कुराते हुये नज़र आते हैं,
हवायें गुनगुनाती हुई
नज़र आती हैं,
पर
जब आप दु:खी होते हैं,
तब आपको
खिला हुआ गुलाब भी
मुरझाया सा नज़र आता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

गीता–रामायण
और पुराण के लेखक
भले ही कोई और हों,
पर पढ़ने वाले
आप और हम ही हैं,
वैसे ही आपका जीवन भी
एक पुराण है
जिसे आप स्वयं लिखते हैं
और दुनिया उसे पढ़ती है,
तो क्यों न आप उसे
कुछ ऐसे ढ़ंग से लिखें,
जिससे उसे पढ़ने वालों का जीवन
पढ़ने लायक हो जाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

ऊँचाइयों और मुश्किलों का
गहरा संबंध है,
ऊँचाइयों का कोई
अंत नहीं होता है
और
मुश्किलों का भी,
लेकिन
मुश्किलों के बढ़ने पर भी
जो पीछे नहीं हटते,
उनकी ऊँचाइयाँ भी
बढ़ती जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जिस प्रकार
दुग्ध में मधुरता
मिश्री से आती है,
उसी प्रकार
जीवन में मधुरता
अच्छे व्यवहार से आती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

कोई भी काम हो
उसे अपने दम पर ही
पूरा करने का प्रयास करें,
क्योंकि
दूसरों के द्वारा
किया गया उपकार
आपको नीचा दिखा देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

अगर किसी ने
आप पर उपकार किया हो
तो मौका पड़ने पर
आप उसकी मदद अवश्य करें,
उपकार का बदला
उपकार है,
धोखा नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

आपका
सबसे बड़ा शुत्र है
क्रोध
और
सबसे बड़ा मित्र है
क्षमा,
क्षमा
शत्रु को भी मित्र बना देती है
और
क्रोध मित्र को भी शत्रु ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

क्रोधी लोग
क्रोध करके
स्वयं ही अपने ऊपर
संकट खड़ा कर लेते हैं,
क्रोध आपको
सबसे अलग करके
अकेले खड़ा कर देता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

सपने तो
हज़ारों लोग देखते हैं
पर साकार
कुछ विरले ही कर पाते हैं,
इसलिये
सपने देखना खराब नहीं है
सपनों को
साकार करने का प्रयास न करना
खराब है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

आप
किसी की गलती को
क्रोध करके न सुधारें,
क्योंकि
क्रोध
स्वयं में एक गलती है
और
गलती को
गलती से नहीं
समझदारी से सुधारा जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जब भी
कोई आप पर कटाक्ष करे
तो समझ लेना
आप सफलता की ओर हैं,
क्योंकि
असफल लोगों के लिये
सफल लोगों को
हराने का अंतिम शस्त्र
कटाक्ष है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आप
अच्छाइयों से भरे हुये हैं
तो आपकी महक
चारों दिशाओं में
स्वत: ही फैलेगी,
क्योंकि
अच्छाई
एक ऐसी सुगंध है
जिसे फैलने से
कोई रोक नहीं सकता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

ऊपर उठते ही
हर एक कदम
बड़ी सावधानी से रखें,
क्योंकि
नीचे खड़े लोगों को
आपकी एक गलती का इंतज़ार
बड़ी बेसब्री से है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

विपरीतताओं में
अकसर लोग टूट जाते हैं,
मगर
मेरा मानना है-
विपरीतताओं में टूटें नहीं
तोड़ें दुनिया के अहंकार को
और
जीतें
अपने खोये आत्मविश्वास को...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर
कोई आपसे नाखुश है
तो उसे आपके
अच्छे काम भी नापसंद रहेंगे,
इसीलिये
जब भी कोई
आपके काम नापसंद करे
तो काम बदलने के पहले
उस व्यक्ति के बारे में
अवश्य ही सोचें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जब अच्छे कामों में
विलंब किया जाता है,
तब अकसर वे काम
निलंबित हो जाते हैं,
शायद इसलिये
असफलता का एक कारण
विलंब है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

ज़्यादा
ज़्यादा समय मिलने पर
काम कम होते हैं
समय की बर्बादी
ज़्यादा होती है,
इसलिये
किसी भी काम के लिये
कम समय मिलने पर
घबराइये नहीं
बड़े-बड़े काम
कम समय में ही होते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

आपकी छवि
आप ही बनाते हैं
और
उसे बिगाड़ने का श्रेय भी
आपको ही जाता है,
इसलिये
जब भी आपकी छवि गिरे
तब दूसरों को दोष न देकर
अपने में ही
सुधार करना बेहतर है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

किसी भी
समस्या को टालने पर
प्रारंभ में तो
कोई तकलीफ नहीं होती,
मगर थोड़े ही समय बाद
आपकी समस्यायें
कई गुनी हो जाती हैं;
इसलिये, समस्याओं का हल
उन्हें टालना नहीं है,
चुनौती मानकर
उन्हें समाप्त करना ही
समस्याओं का हल है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

सफलता की ओर
जिन्हें भी जाना हो
उन्हें अपनी
खूबियों के साथ–साथ
कमियों पर भी
ध्यान देना चाहिये,
क्योंकि
कई बार
एक कमी
सौ खूबियों पर
भारी पड़ जाती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

हर इंसान में भगवान है
बस आपको
अपनी नज़र
और
अपना नज़रिया
सुधारने की जरूरत है,
जिस दिन आप
नज़र और नज़रिया सुधार लेंगे;
दूसरे में क्या
खुद में ही भगवान को पा लेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

इस दुनिया में
बहुत लोग
चेहरे से सुन्दर हैं,
पर
कुछ ही लोग
सोच से सुन्दर हैं,
आपका पता नहीं
मगर
मैं उसे ही सुन्दर मानता हूँ
जिसकी सोच सुन्दर होती है,
चेहरे का क्या
वह तो
शेर का भी सुन्दर होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

ज़्यादातर लोग
ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं–
मुझे कभी कष्ट मत देना,
पर
कुछ ही लोग होते हैं
जो ईश्वर से कह पाते हैं
कष्टों में मुझे
कभी डरने मत देना ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

विश्वास को समझना है तो
श्वास को समझ लीजिये
श्वास खत्म होते ही
व्यक्ति मर जाता है
और
विश्वास खत्म होते ही
रिश्ता मर जाता है,
इसलिये ध्यान रखें–
आपके लिये
जितनी कीमत श्वास की है,
उतनी ही कीमत
विश्वास की भी होना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

दुकान चलाने के लिये
पैसा और माल के साथ-साथ
अच्छा दिमाग
और
अच्छा व्यवहार भी जरूरी है।
सही बात है-
आटा, पानी, तवा
और अग्नि के साथ-साथ
कुशल रसोइये के होने पर ही
अच्छी रोटी बन पाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

ऊँचे उठने के बाद
वे ही लोग नीचे गिरते हैं,
जो अहंकार का भार
अपने मन में सवार कर लेते हैं,
अगर
ऊँचाइयों में टिके रहना है
तो अपने मन में
अहंकार को टिकने न दें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर
आप आलसी हैं
तो कामयाब होने का सपना
कभी मत देखना;
क्योंकि
सोकर
थकान को तो मिटाया जा सकता है
पर जीत का जश्न
नहीं मनाया जा सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

आज का इंसान
अच्छी बातों
और पुण्य करने से
बहुत डरता है,
लेकिन
पाप और भगवान से
कभी नहीं डरता है
ऐसा क्यों?
यह तो मैं नहीं जानता
पर शायद मेरी इस बात से
आप भी जरूर सहमत होंगे ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

दुःखों में
जब कोई आपका
साथ छोड़ दे
तब उसका
बुरा मत मानना,
क्योंकि
जब अपने
भाग्य ने ही साथ छोड़ दिया
तब दूसरों से
क्या उम्मीदें की जायें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

मन की
मंज़िल पाने के लिये
दूसरों के नहीं
खुद के बनाये रास्तों पर
चलना चाहिये
अगर,
बने बनाये रास्तों पर चलोगे
तो मंज़िल भी वही मिलेगी
जिसे लोग
पहले हासिल कर चुके हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

हमेशा खुश रहें
और
दूसरों को भी खुश रखें,
अगर
दु:ख के दिन आयें
तो भी खुश होने का नाटक करें;
खुश होने के
इतने आदि हो जाइये कि
दु:ख शब्द का
मतलब भी याद न रहे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जब ज्ञान और
चारित्र के फल
आपने जीवन रूपी वृक्ष में
लग जाते हैं,
तब आप
सहज ही विनम्र हो जाते हैं;
लेकिन
ज्ञान-चारित्र के बढ़ने पर भी
विनम्रता न बढ़े,
तो समझ लेना
ज्ञान फल के साथ-साथ
मान के काँटे भी उग आये हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आप
अपने मन को
अति शांत रखना चाहते हैं,
अपने वचनों को
अच्छा रखना चाहते हैं,
तो बहुत-सी चीज़ों को
और
बहुत-सी बातों को
नज़रअंदाज़ करना सीख लीजिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

बढ़े हुये कदम
कभी पीछे मत हटाना,
क्योंकि
जितना समय
आप पीछे जाने में लगायेंगे
उससे कम समय में
पीछे न मुड़कर
आगे बढ़कर
मंज़िल को पा जायेंगे ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

बुरा वक्त आने पर
शिकायतें
जीवन से न करें,
शिकायतें करना है
तो करें
अपनी करतूती से,
क्योंकि
गलती जीवन की नहीं
गलती करतूती की है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

दूसरों को
अपनी भावनायें समझाने से पहले
स्वयं दूसरों की भावनायें
समझना सीखिये,
अगर आप
दूसरों की भावनायें
समझने लगे,
तो दूसरों को समझाने की
जरूरत नहीं पड़ेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

दूसरों को सुधारने का प्रयास
पूरी दुनिया के लोग कर रहे हैं,
पर
खुद को सुधारने का प्रयास
पूरी दुनिया में
कुछ ही लोग कर रहे हैं,
शायद इसीलिये
दुनिया के ज़्यादातर लोग
आज तक सुधरे ही नहीं हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

इस छोटी सी उम्र में
मुझे एक बात
अच्छे से समझ में आ गई कि-
इस दुनिया में
बहुत प्रकार के लोग रहते हैं
और
बहुत प्रकार की
उनकी परेशानियाँ हैं,
एक भी व्यक्ति
पूर्ण सुखी नहीं है,
पूर्ण सुखी वो ही है
जो इस दुनिया में नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आप
किसी भी बात को
किसी भी घटना को
जल्द से जल्द
खत्म करना चाहते हैं,
तो समझौते से अच्छा उपाय
कुछ और नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

समझदार वो नहीं
जिसे अपने ज्ञान पर
अभिमान हो,
समझदार तो वो है
जिसे अपने अभिमान का
ज्ञान हो ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

झूठ बोलकर फायदा कमाना
एक प्रकार का नुकसान ही है,
क्योंकि
वर्तमान में
जो फायदा दिख रहा है,
वो भविष्य में
बहुत बड़े नुकसान के रूप में
जरूर प्रकट होगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

शादी के बाद
जिसका जीवन
ऐंड-बैंड हो जाये
वही है हसबैंड,
जिसके स्वभाव से
आप कभी
वाकिफ नहीं हो सकते
वही है वाईफ ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

मंज़िल को पाना हो
तो रास्तों के काँटों को
मत देखो,
रास्तों पर
चलना सीखो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जब कोई
पर्वत पर चढ़ते समय
गिरता है,
तब अज्ञानी लोग
उसकी असफलता को देखते हैं;
वहीं ज्ञानी लोग
उसके प्रयास को देखते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जिसका मन प्रसन्न है
परिणाम विशुद्ध हैं
उसे वन में भी आनंद आता है,
जिसके मन में क्लेश है
परिणाम अशुद्ध हैं
वह राजमहल में भी दु:खी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

निष्काम भाव से
किया गया परोपकर
निज उपकार ही है,
क्योंकि
परोपकार से
पुण्य और विश्वास
दोनों बढ़ते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

ऊँचाइयाँ
विनम्रता के साथ हासिल करें
कुटिलता के साथ नहीं ,
ध्यान रखें-
कुटिलता के साथ
हासिल की गई ऊँचाइयाँ
ऊँचाइयाँ नहीं नीचाइयाँ ही हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

विपत्तियों में
साहस कम नहीं करना चाहिये
कुछ दिन
शुक्ल–पक्ष के
चंद्रमा को देखना चाहिये,
समय पाकर
अंधेरा घटने लगता है
और
चंद्रमा भी बढ़ने लगता है,
घबराइये मत
समय पकार
आप भी विपत्तियों से
जरूर दूर हटेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

कभी भी
न्याय करने से पहले
विवेक-बुद्धि को जाग्रत रखें,
बिना विवेक के
न कोई न्याय कर पाया है
न ही कभी कर पायेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

संदेह बढ़ते ही
मित्रता घटती है
और
शत्रुता बढ़ती है,
इसलिये
मित्रता बनाये रखने के लिये
संदेह के रोग से बचकर रहें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

किसी का भी ज्ञान
अच्छा है या बुरा
यह उसके उद्देश्य से
पता लगाया जा सकता है,
ध्यान रखें -
यह बात
दुनिया पर ही नहीं
आप पर भी लागू होती है,
इसलिये
मैं आपसे उद्देश्य को नहीं
ज्ञान को
सुधारने की बात कहूँगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

काम करते हुये
आप तभी थकते हैं
जब आप
उसे बोझ मानते हैं,
अगर आप
थकना नहीं चाहते हैं
तो काम को
बोझ की जगह
कर्त्तव्य मानिये,
आपको थकान की जगह
आनंद जरूर मिलेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जिन्हें भी
बहुत बातें करने का
शौक होता है,
वे लोग
सफलता की ऊँचाइयाँ
नहीं छू पाते हैं;
क्योंकि
मेहनत के योग्य वक्त को
बातों में व्यर्थ करके
आप ही बतलाइये
कौन ऊँचाइयाँ छू पायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

आप अपने व्यक्तित्व को
इतना महान बना लें कि
आपको किसी से
मिलना न पड़े,
अपितु दुनिया आपसे
मिलन की चाह रखे,
मैंने यह बात समुद्र से सीखी है
वो अपने आपको
विशाल बनाकर रखता है,
शायद इसीलिये
सारी नदियाँ उसकी ओर
खिची चली आती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

धन कमाने का मंत्र है
मेहनत
और
मेहनत बनाये रखने का मंत्र है
धुन,
अगर
धुन बनी रहेगी
तो धन भी
बरसता रहेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

कुछ लोग
सिर्फ इच्छा करते हैं
मेहनत नहीं,
शायद इसलिये
असफल ही रहते हैं
सफल नहीं,
ज़रा सोचिये-
इच्छा करने से तो
पत्ती भी नहीं गिरती,
परन्तु
मेहनत करने से
बड़े-बड़े पेड़ भी उखड़ जाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जिसके भी पास
अध्ययन की कला है,
परन्तु
चिंतन की कला नहीं है,
उसके पास
लिखने की कला भी
तीन काल में नहीं आ सकती है;
लिखने के लिये
मंथन भी आवश्यक है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

डरपोक
और
कायर पुरुष
एक ही ज़िंदगी में
अनेक बार मरते हैं,
पर
निडर पुरुष
पूरी ज़िंदगी में
सिर्फ एक बार ही मरते हैं
वो भी वीरता से...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आप
प्रशंसा की चाह रखते हैं,
तो गुण बढ़ाने का प्रयास
आपको कभी नहीं छोड़ना चाहिये,
जैसे-जैसे
गुण बढ़ते जाते हैं
वैसे-वैसे
प्रशंसा भी बढ़ती जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जब भी
कोई आपको गाली दे
तो शांत भाव धारण करें;
ऐसा करने से
वह जरूर शांत हो जायेगा
क्योंकि
जब तक छेड़ते रहेंगे
पानी भी हिलता रहेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जब कोई
गाली का उत्तर
गाली से दे
समझ लेना वह मूर्ख है,
पर
जब कोई गाली का उत्तर
मुस्कुराहट से दे
समझ लेना वह समझदार है;
क्योंकि
जिसके पास जो होता है
वह वही देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

थोड़े समय में
आपका किया हुआ
आपके पास जरूर आता है,
अगर आपको
इस बात पर विश्वास न हो
तो मुख ऊपर करें
और
थूककर देख लें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

अभिमान
किसी दीमक से कम नहीं है,
दीमक
अचेतन भवन को खा जाती है
और
अभिमान
चेतन भवन को...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आपके पास
घर है
तो कोई बड़ी बात नहीं है,
वह तो
चिड़िया के पास भी है,
हाँ !
अगर आपके पास
संतोष है
तो सचमुच
बहुत बड़ी बात है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

कुछ लोगों का मानना है
कि अच्छे घर से ही
उनकी शोभा होती है,
मगर
ऐसे लोग
अभी सत्य से अनजान हैं,
क्योंकि
अच्छे स्वामी से ही
घर की शोभा होती है,
घर का क्या है?
वो तो
दीमक भी अच्छा बना लेती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

हर दिन
एक गुण बढ़ाइये
और
एक अवगुण घटाइये,
ऐसा करने से
आपके व्यक्तित्व को
एक दिन
आदर्शता का ताज़ जरूर मिलेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आप आलसी हैं
तो आपको
शत्रु की जरूरत नहीं है,
क्योंकि
अंदर बैठा
आपका आलस्य ही
आपका सर्वोत्कृष्ट शत्रु है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

कभी भी
किसी से भी
जलिये नहीं,
जलने से
सामने वाले का
कुछ नहीं होगा,
पर
आपके शुभ-भावों का
और
पुण्य का नाश जरूर होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आपके पास
आत्मविश्वास है,
तो आप
विश्व पर भी
राज्य कर सकते हैं,
आत्मविश्वास न होने पर
विश्व क्या
आपका घर पर भी राज्य करना
बड़ा मुश्किल है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

दूसरों को
सुधारने के पहले
हमें
खुद को
सुधारने का उपदेश देना चाहिये,
क्योंकि
दूसरों को
नदी पार कराते-कराते
स्वयं उसमें डूब जाना
मूर्खों की प्रवृत्ति है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

अगर आपका कार्य सही है
फिर भी लोग
उसका विरोध कर रहे हों,
तो आप
प्रति-उत्तर न दें,
काम होने के बाद
विरोधी भी
आपका समर्थन करेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जिनकी
वाणी और स्वभाव में
मिठास होती है,
वे लोग
सदा ही विजयी होते हैं;
ठीक ही है
चींटी से लेकर मनुष्य तक
सभी जीवों को
मिठास पसंद है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

कार्य कोई भी हो
परंतु उसका उद्देश्य
सही होना चाहिये,
क्योंकि
गलत उद्देश्य से किया गया
अच्छा कार्य भी
गलत होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

आप कई बार
दूसरों को अच्छी सलाह देते हैं
जिससे
उनकी ज़िंदगी सँवर जाती है,
लेकिन कभी-कभी आप
स्वयं अच्छे रास्ते पर चलना
भूल जाते हैं;
ऐसा होने पर भी
आप कभी दुःखी मत होना,
चलना और जीतना
आपके ही हाथों में है
तो यकीन मानिये
चलने की ताकत भी आपके पास है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अकसर हमारे
माता–पिता और गुरुजन
हमें शांत रहने की
धैर्य बढ़ाने की
सीख दिया करते हैं,
मगर उनकी सीख
हम तभी मानते हैं
जब हम धैर्य खोकर
अपना अहित कर बैठते हैं;
इसलिये ध्यान रखें–
धैर्य बढ़ाओ
सुखी हो जाओ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जीवन में
कितने ही कष्ट आ जायें,
अगर आप
अधीर नहीं हैं
तो आपकी जीत
और
कष्टों की हार निश्चित है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

जितना आप
खुद को छलते हैं
उतना आपको
कोई और नहीं छल पाता है,
इस बात पर
आपने कभी
गौर नहीं किया होगा,
मगर
आज से जरूर कीजिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

मित्रो!
किसी को भी
अपना बनाने के पहले
एक बात जरूर रखना–
धोखा
अपने ही देते हैं
पराये नहीं,
पराये लोग
सिर्फ नुकसान पहुँचाते हैं,
पर
अपने लोग
जीवन मिटा देते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर आप
बड़े से बड़ा दु:ख भी
मुस्कुराकर सह लेते हैं,
तो आपका नाम
बहुत ही जल्द
महान लोगों में आने वाला है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

कहने के साथ-साथ
सुनना भी सीखें,
कहने से
दूसरों को अनुभव मिलेगा
और
सुनने से
आपको अनुभव मिलेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

ज़्यादा उम्मीदें
न तो खुद से रखें
न ही दूसरों से रखें,
क्योंकि
उम्मीदों के टूटने पर
कई बार इंसान भी
टूट जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

किसी भी कार्य को
कहना जितना आसान है
उसे करना
उतना ही मुश्किल है,
फिर भी
कुछ करने का ज़ज्बा
जिसमें हो
वह मुश्किल को भी
आसान बना देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अभिमान में डूबे व्यक्ति का
अपमान निश्चित है,
सम्मान तो
निरभिमानी का होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

मेरे यारो !
किसी को भी
सताओ मत,
आपका किया
आपको ही झेलना है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

दूसरों की निन्दा
वे ही करते हैं,
जिन्हें स्वयं के दोष
उजागर होने का डर है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

बच्चों को
दिये गये संस्कार
फिक्स डिपोजिट की तरह हैं,
जो भविष्य में
सूत सहित मिलते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
मदद

अगर
दिन खराब चल रहे हों
तो अच्छे काम
बंद न करें,
अच्छे दिन
जल्द लौटकर आयेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

मदद

जो न पिघलें
गरमा–गरमी में भी
वे ही रिश्ते सच्चे हैं,
ऐसे रिश्ते ही तो
लम्बे समय तक चलते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर